सं श्रो. वि./फरीद बाद/74-85/19235,—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं अपेरियन्ट इलैक्ट्रीकल इन्शुलेशन प्रा० लि०, एन. आई. टी., फरीदाब द के श्रीमक श्रीमती अमृत देवी तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई प्रीधोगिक विवाद है ;

घोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांखनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीधोगिक विवाद प्रधितियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रधान की गई सिवतयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिष्ठिस्चना सं. 5415-3 श्रम/60/15254, दिनांक 20 जून, 1968, के साथ पढ़ते हुए श्रिष्ठिस्चना सं० 11495-जी-श्रम 38-श्रम/57/11245, दिनांक 7 , करवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिष्ठिनियम को धारा 7 के स्रवीन गठित श्रम न्यायालय, करोदावन्द को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायितर्गय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि छन। प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्रीमती श्रमत देवी की तेवाश्रौ का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है ?

मं, ग्रो. वि./फरीदाबाद/74-85/19242.--वृंकि हरियामा के राज्यपाल की राग है कि मै० ग्रौरियन्ट इलैक्ट्रीकल इन्शुलेशन श्रा. लि., एन. ग्राई.टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री केशव दास तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य **इसमें इस**के वाद लिखित मामले में कोई थौद्योगिक विवाद है ;

मोर बूंकि हरियाणा के राज्यसान विवाद हो त्यावनिर्मय हेनु निर्दिश्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसिन्य, अब, श्रोबोगिक विवाद श्रविनियम, 1947, को धारा 10 को उपधारा (1) के खण्ड (ग) हारा प्रवान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं. 5415-3-शम/60/15254, दिनांक 20 जून, 1968, के साथ पड़ते हुये श्रीधसूचना सं. 11495-जो-अम/88-अन/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त ग्रिविनियम की धारा 7 के श्रयोन गठित श्रम त्यायालय, करीदाबाद, को विवादयस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला नायानग्र के निये निर्दिष्ट करने हैं, जो कि प्रवत्यकों तथा श्रीम को बीच या तो विवादयस्त मामला है या विवाद से सुसंगत स्थित मामला है:—

क्या श्री केंग्रव दांस की सेवागों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. म्रो. वि./फरीदाबाद/74-85/19249.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में. म्रोरियन्ट इलेक्ट्रीकल इन्शुलेशन प्रा. लि., एन. श्राई. टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री भागीरथ तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामला में कोई म्रोद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव श्रौद्योगिक विवाद श्रिवित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) हारा प्रदान की गई शिवितयों का प्रयोग करत हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी धिधसूचना सं. 5415-3-84+60/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये श्रिवसूचना सं. 11495-जी-84+88-844/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य के लिये निर्देष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से ससंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री भागीरथ की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं; तो वह किस राष्ट्रत का हकदार है?

सं. भो.वि./फ़रीदाबाद/74-85/19256.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. श्रोरियन्ट इलेक्ट्रीकल इन्णुलेशन प्रा० लि०, एन. श्राई. टी. फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मोहर सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलेमें कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इम लिए, प्रत्र, ब्रोबोगिक विवाद प्रक्षितियम, 1947 की घारा 10 को उपधारा (1) के खण्ड (ग) हारा प्रदान की गई कवितयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारो ब्रधिसुचना सं. 5415-3-व्यम-60/15254, दिनांक 20 जून, 196 8. है साथ पड़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-अम-88-अम/37/11245, दिनांत 7 फरवरी, 1958, द्वारा उनत प्रधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित अम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बख्यित नीचे लिखा मामला न्यायिलयें ये के लिए निव्यित करते हैं, जो कि प्रवन्धकों तथा अमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुस्गत इत्या अमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुस्गत इत्या अमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुस्गत इत्या इत्या समाला है:---

क्या श्री मोहर सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इक्यार है ?

## दिनांक 2 मई, 1985

सं. ग्रो.वि./पानी./4-85/20016.—चूंिक हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. सचिव, हरियाणा राज्व विजलीं वोर्ड चण्डीगढ़ ; (2) मुख्य अभियन्ता, पानीपत यर्ममल पावर प्रोजैक्ट, आसन, पानीपत, के श्रमिक श्री दर्शन लाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

हसलिए, अब, प्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947, को धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्ड शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं 3(44)84-3श्रम, दिनांक 18 अप्रेल, 1984, द्वारा उत्तर प्रधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायानय, श्रम्वाना, को विवादप्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त भामला है या विवाद से सुसंगत अथव संबंधित मामला है :—

क्या श्री दर्शन लाल की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

जे० पी० रतन,

उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।

## IRRIGATION AND POWER DEPARTMENT

#### Declaration

### The 27th May, 1985

No. 10315/190/IL.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that the land specified below is needed urgently by the Government, at public expenses, for constructing extension of Jhanjh Khurd Minor from RD 10403 to 18100 Tail in village Jhanjh Khurd of tehsil Jind in district Jind for which a notification has been issued under section 4 and published,—vide Haryana Government, Irrigation and Power Department Notification No. 8356/190/1-L, dated 25th April, 1985 and published in Haryana Government Gazette Part-I, dated 7th May, 1985, it is hereby declared that the land described in the specification below is required urgently for the above purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, for information of all to whom it may concern.

And whereas the Governor of Haryana is further of the opinion that the purpose for which the land is required is of an urgent importance within the meaning of clause (c) of sub-section (2) of section 17 of the said Act.

Therefore, it is hereby directed under sub-section (4) of section 17 of the said Act that the provisions of section of the said Act shall not apply in regard to this acquisition.

Plan of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Collector, Public Works Department, Irrigation, Ambala and Executive Engineer, Jind Division, West Jamuna Canal, Jind.

		SPECIF	FICATIONS	•
District	Tehsil	Nome of Village	Area in Acres	Boundary
				A strip of land 7700 feet in length and varying in width generally lying South to North and North to West, West to North as per demarcation at site and shown on the Index Plan passing through the field numbers as under:—
Jind	Jind	Jhanjḥ Khurd	9.88	$\frac{6}{16, 25}$ , $\frac{7}{21}$
				16, 25 21 18
				1, 2, 9, 10/1, 12, 13, 16, 17, 18, 19, 23, 24, 25
				. 19 17
				5 , 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25.
				16
				16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25
			•	15
		•	•	16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25
				14
		•		16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25
		_		13 30
		•		21 , 1, 9, 10/1, 12, 13, 17, 18, 23, 24
				32
		•	·	4, 5

By order of Governor of Haryana. (Sd.) . . .,

Superintending Engineer, Western Jamuna Canal West Circle, Rohtak.

# PUBLIC WORKS DEPARTMENT

## BUILDINGS AND ROADS BRANCH

### Hissar Circle

The 18th May, 1985

No. 28 HA/63-SI/1525.—Whereas it appears to Governor of Haryana that the land is likely to be required to be taken by Government, at public expense, for a public purpose, namely, constructing a road from Masitan to Gobindgarh, it is hereby notified that the land in locality, described below, is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers, for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen, to enter upon and survey any land in the locality and do all others acts required or permitted by that section.

Any person interested, who has any objection to the acquisition of any land in the locality may within 30 days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Land Acquisition Collector, Haryana, P. W. D., B. & R. Branch, Hisar, or District Revenue Officer-Cum-Land Acquisition Collector, Sirsa.

District	Tehsil	Locality/Village	Arc: Acr		Recta	angle	<del>-</del>
		Hadbast No.			Khas	ra No.	
Sirsa I	Dabwali	wali Masitan, 284	9.08	122	123	}	135
		·		21, 22, 23 135	25 136	, 13	4/2, 5, 13,
				14, 18, 22/2	5	1, 10	,
[				159		160	
,				1, 10, 11	14, 15	/1, 15/2	, 16, 17/1,
			•	160			
			• ′	17/2, 18/1, 18/	2, 22, 23,	24	•
				166			167
				24, 25/1, 25/2	<del></del> , ·	5, 6,	7, 12, 13/1,
	•		_	167			
		•	•	13/2, 14, 18, 1	9, 20, 21		,
				168		193	
				1, 2, 10	2, 3,	4, 5, 8,	9/1, 9/2,
				193		194	, 263, 265
				10, 11, 12	14,	15, 16,	, 203, 203 17
		•		266, 267, 269, 2 279, 280, 286, 2 555, 564, 566, 687, 688, 689,	292, 299, 3 567, 572, 690, 696	306, 322. 667, 68 5, 697,	, 323, 535, 2,683, 684, 698, 699,
		١		701, 704, 705, 720, 721, 739,	706, 707, 821, 870,	708, 71 876, 88	3, 714, 719, 9
Do	Do	Gobindghrh, 285	6.29	70	7	1	
			•		3, 19, 21/1	, 21/2, 2	2/1, 22/2, 23

District	Tehsil	Locality /Village Area i			Rectangle
		Hadbast No.	Aeres	. <u>F</u>	Chasra No.
Sirsa—	Dabwali—	Gobindgarh, 285-	5—	72	73
concld	concld.	. concld		73	1, 2, 3, 4/1, 4/2, 5, 8, 9,
				10/1, 10/2	6, 7, 11/1, 11/2, 12, 13/1,
				13/2, 14, 75	15, 19, 20
•				16/1, 16/2 76	,17, 18, 21/1, 21/2, 22/1, 22/2 23, 24 91
			•	25 92	16/1, 16/2, 17, 18, 23, 24, 25
				6, 7, 8, 1	1, 12, 13/1, 13/2, 14, 15, 19, 20 93
		Total 15	.37		4/2, 5, 8, 9, 10/1, 10/2 145, 147, 149, 150, 167, 178, 188, 239, 365.

No. 28 HA/63-F/1526.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the land is likely to be required to be taken by Government, at public expense, for a public purpose, namely, constructing a link road from Daroli to Chuli Kalan in Hisar District, it is hereby notified that the land in the locality, described below, is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1884 to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers, for the stime being engaged in the undertaking with their servants and workmen, to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested, who has any objection to the acquisition of any land in the locality, may within 30 days of the publication, of this notification, file an objection in writing before the Land Acquisition Collector, Haryana, P. W. D., B & R Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector Hisar.

District	Tehsil	Locality/Village	Area			Rect	angle		
		Hadbast No.	in Acres	•,	•	Khasra	No.	· ·	
Hisar	Hisar	Daroli-32	5.00	153,	154,	156,	157,	158,	375,
	•	RD 0 to 5445 5445×40		55 to	66,	22 to 73	37,	72/25	
•	·	9×4840		6/2,	7, 13	/1, 13/2	2, 14,		6 2

District	Tehsil	Locality/Village	Area in Rectangle
		Hadbast No.	Khasra No.
Hisar	Hisar	Daroli-32—	
Hisat	Піза	concld	73
			17, 18, 19, 20, 21, 22, 23 74
	•		6/1, 6/2, 7, 8, 9, 10, 11
		`	4, 5, 6, 7/1, 7/2, 7/3, 8, 9, 10
•			$\frac{76}{1, 10}, \frac{92}{1}, \frac{93}{3, 4, 5/1, 5}$
			93
			6, 7, 8, 9, 11, 12, 13, 14, 19, 2 93 94 95
			<del></del> , <del></del>
Do	Do	Chuli Kalan-7 R. D. 5445 to 12205 6760×40	160, 173, 177, 178, 179, 180, 18 6.21 182, 174, 175, 166, 166/2, 568/
		9×4840	576, 580/1, <del></del> 22, 23
		•	39
		•	1, 2, $\frac{3}{1}$ , $\frac{3}{2}$ , 8, 9, 10/1, 10/2, 11
			• 40
		•	• 6, 7, 12, 13 14/1, 14/2, 15/1, <del>1</del>
			40
			17/1, 18, 19/1, 19/2, 20, 21, 2
			41
			16, 22, 23, 24, 25/1, 25/2 52
		•	23, 24, 25/1, 25/2,
		•	53
			6, 7, 12, 13, 14/1, 14/2, 15, 17, 18, 53
			19/1, 19/2, 20, 21, 1, 2, 3/1, 3/2, 54
			4, 8, 9, 10/1, 10/2

District	Tehsil	Locality/Village	Area		Rect	angle			
		Hadbast No.	in acres		Khas	ra No.	<del>-</del>		
Hisar— g ncld	Hisar—concld	Chuli Kalan-27—concl d			62				
			1, 2, 3/1, 3/2/1, 3/2/2, 4, 8/2, 9, 10/1,						
				62		6	3		
			10/2	, 11/1,	•		14/1, 14/2,		
				<del></del>	6	3 			
			15,	17, 18, 64	19/1,	19/2,	20, 21, 22		
			16,	25/1, 2:	5/2,				
	•	Total11.21							

### The 22nd May, 1985

No. 28HA/63-SII/1532.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the land is likely to be required to be taken by Government, at public expense, for a public purpose, namely, Nezadela Khurd to Buraj Bhangu Road in Sirsa District. It is hereby notified that the land in the locality, described below is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers, for the time being engaged in the undertaking, with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has objection to the acquisition of any land in the locality, may within 30 days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B&R Branch, Hissar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Sirsa.

District	Tehsil	Locality/Village		Area in			Rec	angl	e		
		Hadbast No.	Acres			<del></del> ,	Khasr	a No	),	-	
Sirsa	Sirsa	Nezadela Khurd,	1.35		13			<u>-</u>	14	**	
		Hadbast No. 155		21			17, 23 to 16		25	<b></b> ,	
	•			3,	4/1,	4/2,	5 to	8,	14	to	17
	•			1,	2, 9	), 10, 17	11/1,	11	<b>/2</b> ,	12	
					to 98	22, 2	3/1	,			

District	Tehsil	Locality/Villge	Area	
		Hadbast No.	Acres	Khasra No.
Sirsa—	Sirsa-	Buraj Bhangu,	3.16	92
concld	concld	Hadbast No. 181		6, 14/2, 15 to 17,
				93
		•		6, 11 to 20, 25
				94
				7 to 9, 10/1, 10/2, 11 to 22, 23/1,
				94
				$\frac{}{23/2}, \frac{}{24}, \frac{}{25}, \frac{95/21}{},$
				. 99
				1 to 3, 8 to 10, 11/1, 11/2, 12 to 14,
				99 100
				17 to 23, 2, 3, 4/1, 4/2, 5,
				100
				6/1, 6/2, 7/1, 7/2, 8, 14/2, 14/1,
				100
		•	•	$\frac{15/1, 15/2, 16/1, 16/2}{15/1, 15/2, 16/1, 16/2}$ , 131, 133,
			•	467 to 479.
		Total	4.51	•

The 20th May, 1985

No. 28HA/63-SII/1527.—Whereas the Governor of Halyana is satisfied that land specified below is needed by the Government, at public expense, for a public purpose, namely road from Sirsa-Barnala road to Dhani Varrecha, tehsil Sirsa, district Sirsa, it is hereby declared that the land, described in the Specification below, is required for the aforesaid purposes.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of Section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B. & R. Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Sirsa, is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Collector, Haryana P.W.D., B. & R. Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Sirsa or Executive Engineer Provl. Division No. 11, Sirsa.

District	Tehsil	Locality/Village	Area in		Rectangle		
		Hadbast No.	acres		Khasra No.		
Sirsa	Sirsa	Baidwala,	8.44	41	49	50	51
		н,в 76		23, 24	1 to 10	1 to 10	1 to 10

District	Tehsil	Locality/Village Area Hadbast No. acres	
Sirsa,—	Sirsa,—	Baidwala, H. B. 76,—	52 53
concra.		1 to 5, 6/1, 6/2, 7 to 10 , 1 to 10	
	54		
			1/1, 1/2, 2 to 4, 5/1, 5/2, 6, 7/1, 7/2, 8 to 10 55 56
			1 to 10, 1 to 6, 7/1, 7/2, 8 to 10
			$\frac{57}{2, 10}$ , 186.

No. 28 HA/63-SII/1528.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government at public expense for a public purpose, namely, extension Kukarthana link road upto Harizan Basti, tehsil Sirsa, district Sirsa.

It is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purposes.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B&R Branch, Hissar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Sirsa is hereby directed to take orders for the aquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Collector, Haryana PWD B.&R. Branch, Hissar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Sirsa or Executive Engineer, Provl. Division No. II, Sirsa.

## SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/Village	٠	Areas in Acre	•			Rectan	gle/	
		Hadbast No.	•	Acic	•			Khasra	No.	
Sirsa	Sirsa	Kukarthana,	• i	.50	1	7		<del></del>		
		Н,В. 56			5, 12 to	14, 18	19,	22,		
						10/. 20	2, 11			
					1, to 3,				48, 83,	
					86, 87,	95,	96/1,	96/2	, 97, 147.	

No. 28HA/63-H/1529.—Whereas the Governor Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government, at public expense, for a public purpose, namely, constructing a road from Adampur Bhadra road to Old Mandi Adampur, Tehsil Hissar district Hissar.

It is is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purposes.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D. B.&R. Branch, Hissar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B.&R. Branch, Hissar, or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar or Executive Engineer Provl. Division P.W.D., B.&R. Branch, Hisar.

#### SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/Village	Area in	Rectangle
		Hadbast No.	Acre;	Khasra No.
Hisar	Hisar	Adampur, H.B. 34	2.11	68
п.в. 34		, 9, 11, 12, 19, 20, 21, 22, 36		
				84
			$\frac{10}{1}$ , $\frac{10}{2}$ , $\frac{10}{11}$ , $\frac{11}{12}$ , $\frac{19}{19}$ to $\frac{22}{11}$	
				90
				, 2, 9, 10
				Lhasra No. 231, 237.

No. 28HA/63-H/1530.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government, at public expense, for public, purpose, namely constructing a link road from Adampur Bhadra to New Mandi Adampur, Tehsil Hisar, district Hisar, it is hereby declared that the land described in the specification below, is required for the aforesaid purposes.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act. 1984 to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana, P. W. D. B. and R. Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hisar is hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B. and R. Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hisar or Excutive Engineer Provl., Division, P.W.D., B. and R. Branch Hisar.

District	Tehsil	Locality/Village	Area in	L		Rectangle	
		Hadbast No.	Acres			Khasra No.	
Hisar	Hisar	Adampur,	1.84	66		86	
	Н,В. 3	H,B. 34 •		17, 24 86	4,	7, 13, 14/1, 14/2,	17, 18
						88	
				23; 24		3, 4, 7, 8,°13,	14, 23,
				88		112	
				24/1, 24/2, 17	_, 3	3, 4, 7, 8, 13	
				Khasra No. 2:	52.		

District	Tehsil	Locality/Village Hadbast No.	Area Acre	s · —	Rectangle	
				Г	Khasra No.	
Hissar— concld.	Hissar	Khara Barwala, H. B. 33	4.34	151	176.	
	ŕ			13, 17, 18, 23, 24	22/2, 22/4, 23/5, 24,	
				176	177	
				25/1, 25/2	<b>3</b> , 4/1, 7, 8, 13,	
				177		
				14/1, 17, 18, 21, 22	2, 23/2, 24	
				1	79	
		,		$1, \frac{2}{1}, \frac{2}{2}, \frac{3}{2}, 4, 7,$	, 8, 13/2, 14, 16, 23	
				180	204	
				2, 3, 4, 5	3, 8	
		Total	6.18	Khasra No. 310, 3 353, 355, 914, 925,	17, 313, 319, 351, 352, 930	

No. 28HA/63-F/1531.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land speified below is needed by the Government, at public expense, for a public purpose, namely, constructing a link road from Aharwan to Dhani Rampura, tehsil Fatehabad district Hissar, it is hereby declared that the land described in the specification below, is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and the under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector Haryana, P. W. D., B & R. Branch, Hissar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar, is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the office of the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B. & R. Branch, Hissar or District. Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hissar or Executive-Engineer, Provincial Division, P. W. D., B. & R. Branch, Fatehabad.

District	Tehsil	Locality/Village Hadbast No.	Area in •Acres	Rectangle  Khasra No.		
Hissar F	Fatehabad	Aharwan—I1 1 27		326, 365, 370, 371, 349,	350, 600, 678, 607, 680	
		$6100 \times 40 = -$	5.60	211	212	
		9×4840	-	6, 14, 15, 16 212	11, 19, 20	
				20/2, 21,22/1, 22/2, 231	23,	
	•			11, 19, 20/1, 20/2, 21, 232	22/1, 22/2	
				2, 3/1, 5/2, 4, 7/1, 7/2, 232	8, 6, 14, 15/1, 15/2 244	
			•	16/1, 16/2	2, 3, 4, 6/2, 7/1/1,	

District	Tehsil	Locality/village	Area in	Rectangle			
		Hadbast No.	Acres	Khasra No.			
Hissar	Faridabad	Faridabad Aharwan—11		244			
		127—concld		7/1/2, 7/2, 8, 14, 15/1, 15/2, 16 16			
	•	•		245			
				11, 19, 20/1, 20/2, 21, 22/1, 22/2, 23 258			
		-		11, 19/2, 20/1, 20/2, 21/1, 22 22 23			
				259			
	,			2, 3/1, 3/2, 4, 6, 7/1, 7/2, 8, 14, 15/1, 15/2, 16 274 373			
			.`	11, 20 2/1, 2/2, 3/1, 3/2, 4, 6, 7/1, 7/2 373			
				8, 14, 15/1, 15/2			
Hissar	Fatehabad	Bhirdana 139		1023 to 1031, 1040, 1041, 1042, 1044, 1181, 77			
•	` _	2838×40	2.59	16 17 25			
	_	9×4840	•	20, 21 16, 25 5, 6, 15, 16, 25 49			
				1, 10, 11, 20, 21 26			
			•	1, 10, 11, 12, 13, 19/1, 20, 21/1, 21 21 21			
				$\frac{\overline{2}}{3}, \frac{\overline{3}}{4},$			
				5, 6, 15, 16, 25			
	r	Total· 8.1	9 acres				

(Sd.) . . ., Superintending Engineer, Hissar Circle.

## श्रम विभाग

# दिनांक 24 भप्रैल, 1985

सं गो वि | विवाद | कि मी पंका वूलन मिल (न जदीक प्रेम मन्दिर) पानीपत, के श्रमिक श्री हुकम चन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौकोषिक विवाद है ;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यवाल विवाद की न्यायनिर्णय हेतु निविष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, प्रव, ग्रोबोगिक विवाद मधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई क्रितियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी भ्रधिसुचना सं० 3(44) 84-3 श्रम, दिनांक 18 अर्प्रल, 1984 द्वारा उक्त मधिनियम की धारा 7 के मधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखे मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विश्वाद में सुसंगत मथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री हुक्तम चन्द की सेवाम्रों का समाधान न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. मो.विं.|पानीपत|33-85/18218.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को राथ है कि में. नागपाल टैक्सटाईल मिल्ज, पानीपत, के श्रमिक श्री सुभाव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद निश्चित मामले में कोई धीदोगिक विवाद है;

मोर चुक्कि हरियाणा के राज्ययाल विवाद को स्थायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रन, श्रोबोणिक निवाद अनिनयम, 1947, को धारा 10को उपवारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्द शांक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारों ग्राविस्तुचना सं. 3 (44)—84—3श्रम, दिनांक 18 ग्रंप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम को धारा 7 के अधोन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बातः, को विवाद प्रस्त या उन्नसे संबंधित नीचे लिखा मामला स्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रायना संबंधित मामला है :—

क्या श्री सुभाव की सेवाओं का समाधान न्यायीचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं अो. वि./फरोदाबाद/21-85/18224.---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राम है कि मैं व्यूनिवर्सल इलैक्ट्रीकल लिं 20/3 मथुरा रोड. फरीदाबाद, के श्रमिक श्री तारा चन्द तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामने में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि द्वरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, सब, मौद्योगिक विवाद मिंधनियम, 194%, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधित् चना सं 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 चून, 1968, के साथ पढ़ते हुए प्रवित् चना सं 11495-जी-श्रम 88-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरो, 1958, द्वारा उक्स प्रधित्यम की धारा 7 के सधीन गठित श्रम न्यायालय, फरोदाबाद, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनियम के लिए विदिंद्य करते हैं, जो कि प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत प्रथा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री तारा चन्द की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं शो वि । (फरीदाबाद | 193-83 | 1823 . - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल कि राय है मैं वि लदरा ईट इन्डस्ट्रीज, लिंव प्लाट नं. 67, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रामा चैन्द्रन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौद्योगिक बिवाद है ;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्याय निर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415—3—अम-68/15254, दिनांच 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं∘ 11495—जी-अम/88—अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, फरादाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा भामला न्याय निशुंय हेतु निदिष्ट करते हैं, जो कि प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से मुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री रामा चन्द्रन की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

जे० पी० रतन, उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।